an>

Title: Need to interlink Par-Tapti-Narmada, Damanganga-Pinjar and Nar-Par-Girna Rivers.

श्री ए.टी.नाना पाटील (जलगाँव) : महोदय, जलगांव जिला मेरा संसदीय क्षेत्र है। यहाँ ताप्ती नदी, गिरना नदी में प्रति व्यक्ति पाई जाने वाली जल उपलब्धता मानक जल उपलब्धता से बहुत ही कम है। इस क्षेत्र का ज्यादातर हिस्सा आदिवासियों से भरा है। फसल की कमी, पीने के पानी की तकलीफ जैसी कठिनाइयाँ झेलनी पड़ती हैं, जिस कारण बहुत से किसानों ने आत्महत्या का मार्ग भी अपना लिया है। इससे पहले जिले के कुछ क्षेत्र अच्छी मात्रा में अमरूद, अनाज एवं अंगूर जैसी नकद पैसा देने वाली फसलों की खेती किया करते थे। परन्तु दिन-ब-दिन होती जा रही कम वर्षा और गिरते जा रहे भूजल स्तर के कारण अब यह सम्भव नहीं रहा, इसलिए क्षेत्र के पश्चिमी भागों में गुजरात राज्य की सीमा से लगकर बहने वाली नार, पार, औरंगा, अंबिका जैसी नदियाँ जो नर्मदा नदी से जा मिलती हैं और अरबी समंदर में पानी गंवा देती हैं, वह पानी नर्मदा, ताप्ती और पार, इन तीनों नदियों को तीन निम्नलिखित परियोजनाओं में जोड़कर उपयोग में लाया जा सकता है।

प्रथम परियोजना के अनुसार पार ताप्ती और नर्मदा नदियाँ आपस में जोड़ना, जिससे गुजरात के कच्छ इलाके को फायदा हो सकता है। दूसरी योजनानुसार दमनगंगा और पिंजार, इन दोनों नदियों को आपस में जोड़ा जाए तो मुम्बई शहर को पीने के पानी की आपूर्ति की जा सकती है। तीसरी योजना में नार, पार और गिरना नदियों को आपस में जोड़ा जाए, जिससे गिरना के कछार में जल की बढ़ोत्तरी हो। इन नदियों के पानी के उपयोग के सन्दर्भ में महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और संघ सरकार के बीच प्राथमिक स्तर पर समझौता हो चुका है। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एन.डब्ल्यू.डी.ए.), हैदराबाद द्वारा तीसरी योजना नार, पार और गिरना के जोड़ पर पूर्व व्यवहार्यता का अभ्यास टोपोग्राफिक साईट सर्वे के माध्यम से पूरा किया जा चुका है, जिसे महाराष्ट्र सरकार ने कुछ शर्तों के अधीन रहकर स्वीकृत भी किया है।

इन दिनों तीनों राज्यों और संघ राज्य के बीच उपरोक्त योजनाओं को पूरा करने हेतु पत्र-व्यवहार भी शुरू है। इन योजनाओं में तीसरी योजना नार, पार और गिरना का कार्यस्थल सर्वेक्षण राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, हैदराबाद द्वारा तुरन्त शुरू करने के लिए आपके द्वारा उचित आदेश देने की कृपा करें, जिससे कि परियोजनाओं का काम तुरन्त शुरू हो और लोगों को उसका लाभ मिल सके।